

बस में मिली लड़की के साथ सेक्स का मजा

“दिल्ली से देहरादून की बस में मेरे साथ एक जवान लेडी बैठी थी. रात के दस बजे बस चली. बात उसी ने शुरू की. फिर ये बात कहाँ तक पहुंची, पढ़ें मेरी सेक्सी स्टोरी और मजा लें गर्मागर्म चूत की चुदाई का!...”

Story By: viplove love player (loveplayerviplove)

Posted: Saturday, August 4th, 2018

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [बस में मिली लड़की के साथ सेक्स का मजा](#)

बस में मिली लड़की के साथ सेक्स का मजा

दोस्तो नमस्कार, मैं विप्लव आज एक बार फिर से आपके लिए अपने जीवन की एक और सच्ची चुदाई की कहानी लेकर आया हूँ.

आपने मेरी पहली कहानी

प्यासी ननद और भाभी की जयपुर के रास्ते में चूत चुदाई

पढ़ी. इस कहानी के लिए आप लोगों के बहुत सारे मेल भी मिले, उसके लिए सभी चूत और लंड वालों का धन्यवाद.

हुआ यूं कि मुझे एक शादी के लिए देहरादून से आगे कलसी नगर जाना था, तो मुझे रात को ठीक दस बजे दिल्ली आइएसबीटी से कलसी की बस पकड़नी थी. मैं ठीक 9.30 पर बस अड्डे पहुंच गया. शनिवार होने के कारण बस में भीड़ कुछ ज्यादा ही थी. चूंकि मैंने अपनी सीट ऑन लाइन बुक कर दी थी इसलिए मैं बस में अपनी रिजर्व सीट देखने लगा. मैंने देखा कि मेरी सीट पर एक जवान लेडी बैठी थी. उससे पूछने पर पता चला कि वो बिना बुकिंग के बैठी है और वो अकेली ही थी. ठीक दस बजे बस चल दी.

सर्दी का मौसम था. दोस्तो आप समझ सकते हो कि जब आप अकेले कोई सफर करते हो और साथ में आपको कोई लेडीज मिल जाए तो सफर का मजा दोगुना हो जाता है. वैसे हर किसी की यही तमन्ना होती है कि सफर में कोई मस्त सा हमसफर मिल जाए.

तभी कंडक्टर आया और उसने मेरा टिकट चैक किया. फिर उसने उन मैडम से उनका टिकट पूछा तो उसने कहा कि मेरा टिकट विकास नगर का है.

उस महिला के मुँह से सुनकर मुझे अन्दर से बड़ी खुशी मिली कि 7 घंटे ये माल मेरे साथ ही रहेगी.

कंडक्टर के जाने के कुछ देर तक हम दोनों चुप बैठे रहे. फिर उसने ही मुझसे पूछा- आप कहां से आए हैं ?

मैंने कहा- गुड़गांव से.

वो बोली- मैं भी गुड़गांव में ही रहती हूँ.

उससे बात होने लगी तब मालूम चला कि वो भी किसी आईटी कम्पनी में नौकरी करती थी. मेरी उससे कुछ ज्यादा ही बातें होने लगीं. बातों से वो काफी खुले विचारों की लगी. बातों ही बातों में मैंने उसका नाम पूछा, उसने अपना नाम कोमल बताया. यूं ही बातचीत करते रहने से पता भी नहीं चला कि हम कब उत्तरप्रदेश के नगर खतौली पहुंच गए. बस रुक गई और हमने वहां खाना खाया, जिसका बिल मैंने दे दिया.

अब बस चल दी. सर्दी बढ़ गई थी तो मैंने अपना शॉल बैग से निकाल लिया. कोमल तो पहले से ही लिए हुए थी.

कुछ देर बाद कोमल को नींद आने लगी तो उसका सिर मेरे कंधे पर आने लगा. मैंने भी कोमल को अपना पूरा कंधा दे दिया. मैं भी सोने का नाटक करने लगा. मैंने भी अपना मुँह कोमल की ओर कर लिया. उसकी सांसें मुझे महसूस हो रही थीं.

मैंने अपना बायां हाथ उसकी जाँघ पर रख दिया, हालांकि उस समय मेरी भी गांड फट रही थी कि कहीं ये कुछ बोल ना दे. लेकिन उसने कुछ नहीं बोला क्योंकि वो नींद में थी.

थोड़ी देर में उसने अपना हाथ मेरे हाथ पर रख लिया. दोस्तो इससे मुझे हरी झंडी मिल गई. अब मैंने अपना शॉल भी उसके ऊपर कर लिया और उसकी जाँघों को सहलाने लगा. कोमल मेरे बिल्कुल करीब आ गयी. उससे सटते हुए मैं अपना एक हाथ उसके चुचे पर रख कर सहलाने लगा. मेरा लंड खड़ा हो गया था. अब मैं बिल्कुल पक्का हो गया था कि कोमल सोई नहीं है, वो भी मम्मों का मजा ले रही है.

मैं थोड़ा सा उसकी तरफ को घूम गया और अपना दाहिना हाथ कोमल की जैकेट में डाल दिया. लेकिन जिप टाइट होने के कारण मेरा हाथ अन्दर तक नहीं जा रहा था. कोमल समझ गयी, उसने अपनी जिप खोल दी. जिप खुलते ही मैंने अपना हाथ अन्दर डाल दिया और उसकी टी-शर्ट को भी ऊपर कर दिया. मैंने हाथ के स्पर्श से महसूस किया कि कोमल का निप्पल एकदम टाइट हो चुका था.

मुझे उसके साथ हरकत करते वक्त ऐसा लग रहा था, जैसे आज समय बहुत ही जल्दी गुजर रहा हो. हम रुड़की पहुंच चुके थे. बस 5 मिनट के लिए उधर रुकी और चल दी. मैंने कोमल को अपने दोनों घुटनों पर लेटा लिया. मेरा हाथ उसके मम्मों को सहला रहा था. उसका मुँह बिल्कुल मेरे लंड पर था.

मैंने अपना एक हाथ पीछे से उसके लोवर में डाल दिया, उसने पेंटी पहनी थी, उंगली चूत तक गई तो मालूम हुआ कि कोमल की चूत से पानी निकल रहा था. मैंने अगले ही पल अपनी दो उंगलियां कोमल की चूत में डाल दीं और उंगली से ही चूत चुदाई करने लगा. इधर कोमल ने भी मेरे लोवर में डालकर मेरा लंड पकड़ लिया. मेरे लंड से भी पानी निकल रहा था. मैंने अपने लंड को शॉल से साफ किया और अपने लंड को पकड़कर कोमल के मुँह में लगा दिया. कोमल धीरे धीरे मेरा लंड चूसने लगी. इस सफ़र में कोई दिक्कत भी नहीं हो रही थी.

बस धीमी रफ़्तार से पहाड़ी रास्ते में पहुंच चुकी थी. आप लोग जानते ही हो कि जब बस पहाड़ी रास्ते में चलती है, तो बस हिलती डुलती है. वही हो रहा था.

इतना मजा आ रहा था कि मेरा दिल तो हो रहा था कि अपना लंड कोमल की चूत में डाल दूँ.. लेकिन ये मुमकिन नहीं था. कोमल की चूत बिल्कुल पानी पानी हो रही थी और इधर मेरा माल भी निकलने वाला था. मैंने कोमल के मुँह से लंड निकाला और शॉल पर ही अपना पूरा माल निकाल दिया.

मॉल झड़ जाने से मैं एकदम शिथिल हो चुका था. कुछ ही देर में हम देहरादून पहुंचने वाले थे. कोमल भी सीधी होकर बैठ गयी. मैं भी ठीक से बैठ गया. बस रुकी, जिन लोगों को देहरादून उतरना था, वो लोग उतर गए.

लगभग दस मिनट में बस चल दी. अब तक सुबह के 4.30 हो चुके थे बस में लगभग सभी सवारी सो रही थीं. मैंने फिर से कोमल को अपनी गोद में लिटा लिया और मम्मों को दबाने लगा. कोमल के चुचे बिल्कुल टाइट हो चुके थे. अब कोमल की चूत को भी लंड चाहिए था. लेकिन बस के चलते मजबूरी थी.

खैर.. अब बस में इससे ज्यादा कुछ कर भी नहीं सकते थे. कुछ ही देर में हम सेलाकुई पार कर चुके थे. कोमल उठी और अपने कपड़े ठीक किए और ठीक से बैठ गए, क्योंकि कोमल को विकास नगर उतरना था.

मैंने उससे पूछा कि तुमको वापस कब जाना है ?

उसने कहा- आज अपनी सहेली की शादी अटेंड करूंगी और कल वापस जाऊंगी.

मुझे भी कलसी और चकराता में थोड़ा काम था तो मैंने कहा- ठीक है अगर मैं जल्दी फ्री हो गया तो तुमको यहीं मिलूंगा.

मैंने कोमल का फोन नम्बर ले लिया और अपना दे दिया. कोमल विकास नगर उतर गई.

मैं यही सोचता रहा कि अपना काम जल्दी खत्म करके वापस आना है. मैं कलसी पहुंच गया क्योंकि मेरी ससुराल वहीं थी, तो नहाया और नाश्ता आदि किया और 9 बजे ही वहां से बाइक लेकर चकराता निकल गया. वैसे चकराता घूमने के लिए बहुत ही अच्छी जगह है.

मैं कुछ देर में अपना काम खत्म करके 4 बजे वापस आ गया. वापस आकर सबसे पहला काम मैंने कोमल को फोन किया और उसको बोला कि तुम वहां से डाकपत्थर आ जाओ,

यहीं मिलते हैं.

कोमल समयानुसार आ गयी. हम वहीं गार्डन में बैठे रहे और बातें करते रहे. हमने प्लान किया कि दोनों शादी में चलते हैं और रात को वहीं शादी अटेंड करके वहीं होटल ले लेंगे. उसने मुझे अपने साथ मेहमान बनकर चलने को राजी कर लिया था.

हम दोनों विकास नगर पहुंच गए.. शादी हेरिटेज में थी. कोमल ने मुझे अपनी फ्रेंड से मिलाया, वो भी गुड़गांव में ही जॉब करती थी. हमने थोड़ा स्नेक्स लिए, सर्दी का मौसम था तो मैंने कोमल को बोला कि मैं थोड़ा व्हिस्की लेकर आता हूँ.

कोमल कहने लगी- रुको मैं भी चलती हूँ यार.. थोड़ा मुझे भी पिला देना.

कोमल अपनी फ्रेंड को बोलकर आ गयी. मैंने एक उधर बाहर की एक शराब की दुकान से हाफ लिया और वहीं किसी होटल का पता किया. एक होटल की जानकारी हुई और उधर जाकर देखा तो ठीक ठाक ही था.. सस्ता भी था.

हम दोनों रूम में चले गए. सबसे पहले मैंने कोमल को किस किया और बेड पर लेट कर उसके मम्मों को दबाने लगा.

इसके बाद मैंने उठा कर पैग बनाए और कोमल से बोला कि लो तुम अपना गिलास उठाओ.

पहले तो वो मना करने लगी.

मैंने कहा- तुम तो कह रही थीं कि मुझे भी पिला देना ?

तो हंस कर कहने लगी कि वो तो यूं ही मजाक में कहा था. मुझे भी उधर से निकलना था न.

मैंने कहा- नहीं, तुमको मेरे साथ पीनी ही पड़ेगी.

तो बोली- अच्छा थोड़ी ही लूँगी.

मैंने उसको गिलास दिया और हम दोनों ने आज की चुदाई की मस्ती के लिए चियर्स बोल कर जाम टकराए.

कुछ ही देर में मैंने थोड़ा थोड़ा करके उसको एक और पैग दे दिया. मैंने भी दो पैग खींच लिए थे. अब मुझे तो बस कोमल की चूत में लंड डालना था.

हम दोनों को हल्का नशा होने लगा था. मैंने कोमल की जींस निकाल दी और टी-शर्ट भी निकाल दी. अब कोमल ब्रा और पेंटी में रह गई थी. एक तो दारू का नशा और ऊपर से सामने नंगी लौंडिया थी तो लंड तो आन्दोलन करने लगा था.

मैंने भी देर न करते हुए अपने सारे कपड़े निकाल दिए, केवल अंडरवियर नहीं निकाली. मैं कोमल को किस करने लगा, कोमल भी गर्म हो गयी. मेरा तो लंड पहले ही खड़ा था.

मैंने उसकी ब्रा पेंटी को भी निकाला और उसको अपनी गोद में इस तरह से बिठा लिया कि उसका मुँह मेरे मुँह के सामने आ गया. वो मेरी गोद में बिल्कुल नंगी बैठी थी. मैंने सर नीचे करके कोमल का एक निप्पल अपने मुँह में ले लिया और दूसरे निप्पल को उंगली से दबाने लगा.

कोमल ने अपने एक हाथ से मेरा लंड पकड़ लिया और दूसरा हाथ उसका मेरी कमर पर था. अब मैं कोमल की गर्दन पर किस करने लगा और एक कान को मुँह में लेकर काटने लगा.

कोमल सिसकारियां लेने लगी और मुँह से उह आह करने लगी. कोमल को भी लंड लेने की जल्दी थी तो वो लंड को पकड़ कर चूत पर रगड़ने लगी.

मुझसे भी नहीं रहा जा रहा था, मैंने उसको बिस्तर पर लिटाया और लंड को उसकी चूत पर लगा कर एक जोरदार झटका लगा दिया. इस तगड़े झटके में मेरा आधा लंड कोमल की चूत में चला गया. उसको एकदम झटका लगा देने से थोड़ा सा दर्द हुआ तो मैं उसके

निप्पल को मुँह में लेकर चूसने लगा और उसके होंठों को चूसने लगा.

कुछ ही देर में कोमल नार्मल सी हो गयी. कोमल के दोनों हाथ मेरी कमर पर थे.. तो अब मैंने जोर जोर से झटके लगाने शुरू कर दिए. कोमल मेरी छाती को जोर जोर से अपने दाँतों से काटने लगी. कोमल की चूत थोड़ा टाइट थी क्योंकि कोमल ने अभी तक ज्यादा नहीं चुदवाया था.

कुछ देर की धकापेल के बाद मैंने अपना लंड चूत से निकाल लिया.. क्योंकि मैं जल्दी झड़ना नहीं चाहता था. मुझे चुदाई का पूरा मजा लेना था.

मैंने एक पैग और बनाया, कोमल से भी पूछा तो उसने भी हां कर दी. इस बार मैं समझ गया कि कोमल भी पहले से ही ड्रिंक करती है. मैंने उसको भी एक तगड़ा पैग बना कर दे दिया.

फिर मैंने कोमल को बेड पर लेटाया और मैं खुद उसकी टांगों के बीच बैठ गया और अपने खड़े लंड से कोमल की चूत को कुरेदने करने लगा.

कोमल लंड के लिए पागल सी हो गयी और कहने लगी- जल्दी अन्दर डालो.. नहीं तो मेरा निकल जाएगा.

मैं कोमल के ऊपर पूरा चढ़ गया और लंड को कोमल की चूत में डाल दिया. अपने दोनों हाथों से कोमल के मम्मों और निप्पल दबाने लगा. उसकी गांड उठने लगी थी. उसको लंड की चोट ज्यादा जल्दी जल्दी चाहिए थी. मैंने कोमल का एक निप्पल मुँह में ले लिया और लंड को जोर जोर से पेलने लगा.

कुछ ही देर में शायद कोमल झड़ गई. मेरा भी निकलने वाला था. मैं जोर जोर से कोमल की चुदाई कर रहा था. बस 5 मिनट के बाद मेरा माल कोमल की चूत में निकल गया और कोमल भी दुबारा मेरे साथ ही झड़ गयी. कोमल ने जोर से मुझे अपनी बांहों में जकड़ लिया.

कुछ देर तक हम दोनों यूँ ही लिपटे हुए लेटे रहे. फिर हम दोनों उठे, फ्रेश होकर तैयार हुए और कमरे से बाहर आ गए.

मैंने होटल वाले से बोला कि हम लोग एक घंटे में आते हैं.

इसके बाद हम शादी में आ गए क्योंकि जहां शादी थी, वो जगह भी नजदीक ही थी. कोमल अपनी फ्रेंड के पास चली गयी और मैं सिगरेट पीने के लिए थोड़ा बाहर निकल गया.

मेरा मन बिल्कुल भी नहीं लग रहा था क्योंकि मुझे अभी और चुदाई का मन हो रहा था. शायद यही हाल कोमल का भी हो रहा था. कुछ ही मिनट बाद कोमल ने मुझे फोन किया- कहां हो ?

मैं आ गया. हमने थोड़ा स्नेक्स लिया और फिर होटल की ओर चल दिए.

अब तक व्हिस्की भी खत्म हो चुकी थी क्योंकि टाइम भी बहुत हो चुका था, सो शॉप भी बन्द हो चुकी थी.

जैसे तैसे होटल में आए. कोमल कमरे में चली गयी और मैंने होटल के लड़के से पूछा कि व्हिस्की मिल सकती है क्या ?

उसने बोला- हां सर, 100 रुपये एक्स्ट्रा लगेगे.

मैंने हाफ मंगा लिया.

कमरे में आकर हम दोनों ने पहले अपने कपड़े उतारे. कोमल पेंटी ओर ब्रा में और मैं अंडरवियर में था. हम बिस्तर पर बैठ गए और पैग लेने लगे. मैंने एक सिगरेट जला ली और कोमल को किस करने लगा. फिर कोमल ने मुझसे सिगरेट ले ली और खुद कश लगाने लगी. मैंने उसकी ब्रा से उसका एक दूध बाहर निकाल कर उसके निप्पल को चूसने लगा. कोमल भी मेरा लंड हाथ में लेकर लंड को सहलाने लगी. हम चूमा चाटी और चुसाई के साथ दारू के पैग भी लेते रहे. सिगरेट भी मजा दे रही थी. कोमल भी अच्छी ड्रिंकर थी.

कुछ देर बाद मैं और कोमल बिल्कुल नंगे हो चुके थे. मैं बिस्तर पर चित्त लेट गया और कोमल मेरे लंड को मुँह में लेकर चूसने लगी.

वैसे तो मैं चूत चाटता नहीं हूँ, लेकिन मैंने कोमल को 69 में किया और मैं भी कोमल की चूत को मुँह में लेकर किस करने लगा. अब कोमल को कुछ ज्यादा ही मजा आने लगा. कोमल ने अपनी चूत का दबाव मेरे मुँह पर बढ़ा दिया, मैंने अपनी जीभ कोमल की चूत में डाल दी. कोमल मेरी जीभ पर आगे पीछे होते हुए अपनी चूत चटवाने लगी. मुझे भी उसकी चुत चाटने में मजा आ रहा था.

दोस्तो, नशे के कारण मैं भी कोमल की चूत को जीभ से चोदता रहा.

लंड चूसे जाने के कारण मुझे लगने लगा कि शायद मेरा रस निकल न जाए. मैं रुक गया और कोमल को भी रोक दिया. क्योंकि मैं अभी झड़ना भी नहीं चाहता था. आज मैं चुदाई का पूरा मजा लेना चाहता था.

दोस्तो, वैसे भी जब हम बीवी की चुदाई करते हैं तो एक बार चुदाई करके शान्त हो जाते हैं, लेकिन अगर किसी दूसरी चूत की चुदाई करते हैं तो मजा कई गुना बढ़ जाता है.

दस मिनट रुकने के बाद हमने फिर से चुदाई शुरू कर दी. अब मैंने कोमल को डॉगी स्टाइल में खड़ा किया और खुद बेड से नीचे खड़ा हो गया. कोमल को बेड पर एक किनारे पर डॉगी स्टाइल में करके अपने लंड को कोमल की चूत में पेल दिया. लंड को चूत में डालने पर कोई परेशानी नहीं हुई क्योंकि कोमल की चूत पहले ही पानी पानी हो रही थी.

अब मैंने दोनों हाथों से कोमल के हिप्स पकड़ लिए और जोर जोर से लंड पेलने लगा. कोमल भी अपनी पूरी गांड चला रही थी और मेरा लंड पूरा कोमल की चूत में अन्दर तक जा रहा था.

कोमल आह ऊह सी सी की आवाज कर रही थी. कुछ देर बाद कोमल कहने लगी कि मेरा निकलने वाला है, जोर जोर से करो.

मैं जोर जोर से लंड चलाने लगा.. बस दो चार झटकों के बाद कोमल झड़ गयी थी. लेकिन अभी मेरा माल नहीं निकला था.. सो मैं उसकी चूत में लंड पेलता ही रहा.

कोमल थक चुकी थी, वो बोलने लगी- अब रहने दो !

लेकिन मेरा अभी झड़ा नहीं था तो मैं कोमल को बेड पर लेटा कर खुद उसकी टांगों के बीच मिशनरी पोजीशन में आ गया. मैंने लंड कोमल की चूत में डाल दिया और झटके मारने लगा. हालांकि अब कोमल वो रिस्पॉन्स नहीं दे रही थी क्योंकि वो झड़ चुकी थी.

फिर 5 या 7 मिनट लंड पेलने के बाद मैं भी झड़ गया और बगल में लेट गया. मैं भी काफी थक चुका था.

उस रात हमने 4 बार चुदाई की. सुबह थोड़ा लेट उठे और नहाकर नाश्ता करके वहीं से निकल लिए. वापसी में गुड़गांव तक हम दोनों साथ ही आए. रास्ते में कोमल ने मुझे बताया कि वो ओर उसकी फ्रेंड आईटी कम्पनी में काम नहीं करती हैं, बल्कि यही दोनों एक स्पा में काम करती हैं.

अब कोमल मेरी अच्छी फ्रेंड बन गयी थी. मैंने स्पा में जाकर कई बार मसाज ली और वहीं उसकी चुदाई भी की.

स्पा में उसने मेरी जानकारी उसकी दो क्लाइंट से भी करा दी थी क्योंकि वो दोनों लड़कियां भी वहीं मसाज लेने आती थीं.

दोस्तो आप मुझे ईमेल करके जरूर बताना कि आपको मेरी यह कहानी कैसी लगी ताकि आपके द्वारा दिए गए सुझावों को अगली बार अमल में ला सकूं.

धन्यवाद.

मेरी मेल आईडी है

loveplayerviplove@gmail.com

